RNI No. RAJHIN/2001/05699

सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दु:ख होता है।

-चाणक्य

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

हैलो सरकार

www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-25 | अंक-268 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, सोमवार 01 जून, 2026 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

मन की बात का 134वां संस्करण -मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को लेकर कांग्रेस नेता बोले अशोक गहलोत

भाजपा-संघ एक्सपोज हो गए

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने भाजपा और संघ के चरित्र को एक्सपोज कर दिया है। जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि वहां जब से चुनाव टीएमसी हारी है तब से वहां गुंडागर्दी चरम पर है। आरएसएस-भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे वाले लोग पूरी तरह एक्सपोज हो गए हैं। वहां पर गली-गली में गुंडागर्दी हो रही है, टीएमसी के कार्यालयों पर लगातार हमले हो रहे हैं, कब्जे करवाए जा रहे हैं। बंगाल के अंदर चल रही गतिविधि को पूरा देश देख रहा है तो सरकार क्यों चुप है। पुलिस सरकार बदलते ही खुद बदल जाती है और सब जानते हैं कि सत्ता में बैठी सरकार की बात माननी उनकी मजबूरी होती है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कह दिया था कि अगर भाजपा बंगाल में घुस गई तो पूरा देश निराश होगा। मैंने यह सोच-समझकर कहा था। बंगाल की अपनी अलग संस्कृति, त्याग और बलिदान की परंपरा है-सुभाष चंद्र बोस से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर तक। भाजपा खुद नहीं घुसी बल्कि इलेक्शन कमीशन ने उसे मौका दिया है।

दौसा में पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों की बैठक

मांगों को लेकर 1 जून से स्वाभिमान बचाओ आंदोलन का शंखनाद

हैलो सरकार न्यूज, दौसा। पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन की जिला स्तरीय बैठक आज पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई।

जिला अध्यक्ष नन्द लाल मीणा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों, महामंत्रियों और जिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान ब्लॉक अध्यक्षों ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से कनिष्ठ सहायक से वरिष्ठ सहायक के पदों पर पदोन्नति (प्रमोशन) न होने पर गहरा रोष और खेद प्रकट किया। जिला अध्यक्ष नन्द लाल मीणा ने कर्मचारियों को एकजुट करते हुए 1

जून से शुरू होने वाले %स्वाभिमान बचाओ आंदोलन% को सफल बनाने का आह्वान किया। मंत्रालयिक कर्मचारियों की प्रमुख मांगें= जिला महामंत्री दया शंकर महावर ने कर्मचारियों की मुख्य मांगों को रेखांकित किया।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का बड़ा एक्शन

नकली बीज के खिलाफ प्रदेश के 4 जिलों में एक साथ छापेमारी

हैलो सरकार न्यूज, जोधपुर। राजस्थान में किसानों को नकली और अमानक बीजों से बचाने के लिए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बड़ा अभियान शुरू किया है। कृषि विभाग ने उनके निर्देश पर जोधपुर संभाग के चार जिलों में एक साथ विशेष निरीक्षण अभियान चलाते हुए संदिग्ध मूंगफली बीज के बड़े कारोबार पर कार्रवाई की है। जांच के दौरान 27,178 बैग संदिग्ध मूंगफली बीज की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई, जबकि 32 अलग-अलग लॉट के नमूने जांच के लिए जब्त किए गए हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि किसानों को केवल प्रमाणित और गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जोधपुर में की गई औचक कार्रवाई के दौरान रीको मण्डोर स्थित एक वेयरहाउस में बड़ी मात्रा में मूंगफली बीज का भंडारण मिला। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि बीज का भंडारण गुजरात की एग्री जेनेटिक प्राइवेट लिमिटेड और गणेश एग्री जेनेटिक नामक कंपनियों द्वारा किया गया था।

कागज नहीं दिखा पाई कंपनियां

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण और प्रमाणीकरण से जुड़े आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, लेकिन संबंधित पक्ष मौके पर आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सके। दस्तावेजों की अनुपलब्धता और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाया गया।

32 जांच नमूने लिए गए

इसके बाद कृषि मंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक लॉट का अलग-अलग नमूना लेने और जांच पूरी होने तक बीज की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए। विभागीय टीमों ने देर रात तक कार्रवाई करते हुए 32 नमूने एकत्र किए और 27 हजार से अधिक बैगों की बिक्री पर रोक लगा दी।

68 जगहों पर हुई छापेमारी

इस अभियान के तहत जोधपुर, फलोदी, बाड़मेर और बालोतरा जिलों में एक साथ व्यापक निरीक्षण किया गया। कृषि विभाग की टीमों ने कुल 68 बीज विक्रेताओं और कृषि आदान प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान स्टॉक रजिस्टर, लाइसेंस, विक्रय रिकॉर्ड, प्रमाण-पत्र और अन्य दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। कई स्थानों पर संदिग्ध बीजों के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए।

यहां नहीं मिली गड़बड़ी

निरीक्षण के दौरान बोरानाड़ा स्थित बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज की भी जांच की गई। यहां बड़ी मात्रा में मूंगफली पॉड्स और पैकिंग सामग्री मिली, लेकिन विस्तृत जांच में यह सामने आया कि सामग्री का बीज उत्पादन या विक्रय से सीधा संबंध नहीं है। इसके बाद नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर संबंधित सामग्री को मुक्त कर दिया गया।

मंत्री की सख्त चेतावनी

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि जांच रिपोर्ट में नियमों के उल्लंघन या नकली बीज कारोबार की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता और किसानों के हितों की रक्षा के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है तथा ऐसे निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

होटल में दबिश, ऑटोमैटिक पिस्टल, नकली नंबर प्लेट के साथ 4 तस्कर पकड़े

हैलो सरकार न्यूज, उदयपुर। जिले में अवैध मादक पदार्थों और हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत उदयपुर पुलिस ने वल्लभनगर क्षेत्र स्थित श्रीराम होटल में दबिश देकर चार अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, 22 ग्राम अफीम, फर्जी नम्बर प्लेट लगी कार और होटल संचालक के कब्जे से 20.44 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह है मामला

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा अंजना सुखवाल के सुपरविजन में वल्लभनगर और खेरोदा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर कीर की चौकी स्थित श्रीराम होटल पर दबिश दी। पुलिस ने होटल के कमरा नम्बर-213 की तलाशी के दौरान बाड़मेर निवासी मोहनलाल उर्फ मुन्ना जाट के कब्जे से एक अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद की। उसके साथी हुकमाराम सारण की तलाशी लेने पर दो प्लास्टिक डिब्बियों में रखी कुल 14 ग्राम अफीम तथा तीन जिंदा कारतूस मिले।

एनडीपीएस की धारा में किया मामला दर्ज

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी करीब चार क्विंटल डोडा चूरा की बड़ी खेप की डील कर उसे मारवाड़ क्षेत्र में पहुंचाने की फिराक में थे। पुलिस ने मामले के मास्टरमाइंड को नामजद करते हुए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पंजाब के दो तस्कर अफीम सहित गिरफ्तार

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने होटल के कमरा नम्बर-108 की तलाशी ली, वहां से पंजाब के संगरूर जिला निवासी जसविंदर सिंह जट सिख तथा कुलदीप सिंह रामदासिया सिख को 8 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी जिस कार से पंजाब से उदयपुर आए थे, उस पर दो अलग-अलग नम्बर प्लेट लगी हुई थीं। आरोपियों ने अवैध डोडा चूरा खरीदने के लिए स्थानीय तस्कर से सौदा कर उसे राशि भी ट्रांसफर की थी। इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

होटल संचालक से 20.44 लाख नकद जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने होटल श्रीराम के संचालक बांसवाड़ा निवासी राजेश मेनारिया के कब्जे से 20 लाख 44 हजार रुपए नकद तथा कुछ जमीनों की रजिस्ट्रियां बरामद कीं। पुलिस ने उक्त राशि एवं दस्तावेजों को जब्त कर आयकर विभाग को सूचना भेज दी। नकदी के स्रोत और संभावित अवैध लेन-देन के संबंध में अग्रिम जांच जारी है।

ऐसा नहीं चल सकता, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

दौसा मॉब लिंचिंग मामले में मंत्री किरोड़ी लाल का आया बयान

हैलो सरकार न्यूज

दौसा। जिले के बांदीकुई इलाके में बाइक चोरी के संदेह में युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। बसवा थाना क्षेत्र के पंडितपुरा गांव में हुई इस घटना में पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार 28 मई को बांदीकुई निवासी 32 वर्षीय दिनेश मीणा घर से निकला था। इसी दौरान पंडितपुरा गांव के पास कुछ लोगों ने उस पर बाइक चोरी का शक जताया। आरोप है कि युवक को पकड़कर एक पेड़ से बांध दिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया था।

5 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विशेष जांच शुरू की। वीडियो फुटेज,

प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अशोक सैनी, रिंकू सैनी, रायसिंह सैनी, महेंद्र सैनी और गिर्राज सैनी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या, अवैध रूप से बंधक बनाने और एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

मंत्री ने घटना पर जताया दुख

इस बीच मेहंदीपुर बालाजी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी प्रवृत्ति खतरनाक है, जहां लोग स्वयं ही अदालत और थानेदार बनने लगते हैं। यदि किसी व्यक्ति पर संदेह था तो उसे पुलिस के हवाले किया जाना चाहिए था। कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, न कि भीड़ की।

परिजनों को दी गई आर्थिक सहायता

गौरतलब है कि घटना के बाद मृतक के परिजनों और समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। करीब 21 घंटे तक चले धरने के बाद प्रशासन ने परिजनों को आर्थिक सहायता, संविदा पर नौकरी और मामले की जांच संबंधी मांगें स्वीकार कीं। इसके बाद धरना समाप्त हुआ और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सरकार गंभीरता से ले रही- मंत्री

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

बाइक चोरी के शक में युवक को पेड़ से बांधकर पीटा, मौत, 5 आरोपी गिरफ्तार

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले के बसवा थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। यहां चोरी के महज शक में भीड़ ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए एक युवक को सजा दे डाली। बदमाशों ने युवक को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। इस सनसनीखेज मॉब लिंचिंग मामले में मुस्तैदी दिखाते हुए बसवा थाना पुलिस ने मुख्य कार्रवाई कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मदन राठौड़ को काले झंडे दिखाने का मामला

एसपी-तहसीलदार के बाद अब कुचामन सिटी SHO पर भी गिरी गाज

हैलो सरकार न्यूज

नागौर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को काले झंडे दिखाने के मामले को लेकर अब प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। कुचामन सिटी थानाधिकारी सतपाल सिंह सिहाग को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में आईजी राजेंद्र सिंह ने शनिवार देर रात आदेश जारी किए। इससे पहले डीडवाना-कुचामन एसपी ज्ञानचंद्र यादव और कुचामन तहसीलदार कैलाश ईनाणिया का तबादला किया जा चुका है। इस कार्रवाई को शहरवासी राजनीतिक घटनाक्रम से जोड़कर देख रहे हैं।

प्यारेलाल शिवरान होंगे जिले के नए एसपी

जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव की जगह अब प्यारेलाल शिवरान डीडवाना-कुचामन जिले के नए एसपी होंगे। वर्तमान एसपी ज्ञानचंद्र यादव का तबादला सिविल राइट्स जयपुर कर दिया गया है। गौरतलब है कि ज्ञानचंद्र यादव ने हाल ही में ही जिले का कार्यभार संभाला था, ऐसे में उनका त्वरित स्थानांतरण चर्चाओं का विषय बना

हुआ है।

जमानत के बाद रातों-रात एक्शन

गौरतलब है कि शुक्रवार को भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में शिविर में शामिल होने कुचामन आए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को काले झंडे दिखाने पर आरएलपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर मकराना थाने शिफ्ट किया था। देर रात कार्यकर्ताओं को वापस कुचामन लाकर तहसीलदार कैलाश ईनाणिया के समक्ष पेश किया।

तहसीलदार ने वैधानिक प्रक्रिया के तहत उनकी जमानत याचिका मंजूर कर उन्हें रिहा कर दिया। लेकिन नावां पुलिस ने सुबह होने से पहले ही आरएलपी के युवा नेतारामनिवास पोषक के साथ एक अन्य युवक रमेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार पोषक को नावां पुलिस ने कुछ दिनों पहले जयपुर जाने के दौरान नावां में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के वाहन के आगे आकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पोषक व रमेश को भेजा जेल

नावां पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरएलपी नेता रामनिवास पोषक, रमेश कुमार को शनिवार को देर शाम नावां न्यायालय में पेश किया। न्यायाधीश ने दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

लाठीचार्ज से भड़की चिंगारी

बता दें कि शुक्रवार कुचामन सिटी में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के दौरे के दौरान आरएलपी कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर और सरकार विरोधी नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। जवाहर स्कूल के पास पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। इसी घटना के बाद शुरू हुआ राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है।

स्वर्ण नगरी' पहुंचीं अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी

हैलो सरकार न्यूज

जैसलमेर। वैश्विक राजनीति और अमेरिका के सबसे शक्तिशाली परिवार यानी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुनबे की मौजूदगी इस बार जैसलमेर की पावन धरा पर दर्ज हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की छोटी बेटी टिफनी ट्रम्प (Tiffany Trump) अपने पति माइकल बुलोस (Michael Boulos) के साथ एक बेहद खास और निजी दौरे पर राजस्थान की इस खूबसूरत स्वर्ण नगरी में पहुंची हैं। टिफनी ट्रम्प और उनके पति माइकल बुलोस दिल्ली से एक विशेष चार्टर्ड विमान के जरिए सीधे जैसलमेर के सिविल एयरपोर्ट पर उतरे। जैसे ही इस हाई-प्रोफाइल अमेरिकी जोड़े ने मरुधरा की धरती पर कदम रखा, हवाई अड्डे का माहौल राजस्थानी लोक संगीत और आतिथ्य सत्कार की खुशबू से सराबोर हो गया। सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजामों के बीच भारत में अमेरिकी राजदूत (स्ट्द्वड्डड्डह्यह्यड्डस्त्रश्वह्ल ह्लश ड्डठ्ठस्त्रद्वड्ड) सर्जियो गोर (स्द्गह्म्द्दद्बश त्रश्वह्) भी इस दौरान एयरपोर्ट पर खुद मौजूद रहे और उन्होंने ट्रम्प परिवार की अगवानी की।

पधारो म्हारे देस -पारंपरिक राजस्थानी वेलकम

राजस्थान का नाम आते ही जेहन में सबसे पहले यहाँ का समृद्ध आतिथ्य सत्कार अतिथि देवो भव= और पधारो म्हारे देस की गूंज उठती है। ठीक इसी अनूठे और पारंपरिक अंदाज का गवाह आज जैसलमेर का सिविल एयरपोर्ट भी बना। जब टिफनी ट्रम्प और माइकल बुलोस विमान से नीचे उतरे, तो राजस्थानी संस्कृति के अनुसार लोक कलाकारों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों के साथ उनका स्वागत किया।

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को स्थानीय परंपरा के अनुसार कुमकुम का तिलक लगाया गया, माला पहनाई गई और साफा बांधकर मारवाड़ी संस्कृति से रूबरू कराया गया। टिफनी ट्रम्प और उनके पति माइकल बुलोस के चेहरों पर राजस्थानी लोक संस्कृति का यह भव्य और आत्मीय रूप देखकर एक बेहद खास मुस्कान तैर गई। दोनों ने हाथ जोड़कर स्थानीय लोगों और कलाकारों का अभिवादन स्वीकार किया।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी राजस्थानी कलाकारों के इस पारंपरिक उत्साह को देखकर काफी प्रभावित नजर आए।

प्राइवेट विजिट पर है हाई-प्रोफाइल जोड़ा

टिफनी ट्रम्प की यह यात्रा पूरी तरह से निजी बताई जा रही है। टिफनी ट्रम्प और उनके व्यवसायी पति माइकल बुलोस पिछले कुछ दिनों से भारत के दौरे पर हैं। दिल्ली में अपनी महत्वपूर्ण व्यस्तताओं को पूरा करने के बाद, उन्होंने भारत के सबसे खूबसूरत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य राजस्थान को अपने विश्राम और पर्यटन के लिए चुना। जैसलमेर की हवेलियां, यहाँ के सुनहरे धोरे और ऐतिहासिक किले हमेशा से ही दुनिया भर की जानी-मानी हस्तियों को आकर्षित करते रहे हैं।

सुरक्षा कारणों से इस पूरे दौरे को काफी गोपनीय रखा गया था, लेकिन जैसे ही उनका विशेष चार्टर्ड विमान जैसलमेर के आसमान में दिखाई दिया, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति की बेटी की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ राजस्थान पुलिस के आला अधिकारियों ने भी जैसलमेर एयरपोर्ट से लेकर उनके ठहरने के स्थान तक सुरक्षा का एक अभेद्य घेरा तैयार किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी ट्रम्प का जैसलमेर आना राजस्थान के पर्यटन उद्योग (Rajasthan Tourism) के लिए किसी बड़े वरदान से कम नहीं है। जैसलमेर को वैश्विक स्तर पर एक बेहद सुरक्षित, आलीशान और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध डेस्टिनेशन के रूप में देखा जाता है।

इससे पहले भी हॉलीवुड, बॉलीवुड और दुनिया भर के कई बड़े राजनीतिक और कारोबारी घराने अपनी छुट्टियों या शादियों के लिए जैसलमेर के आलीशान होटलों और किलों को चुनते आए हैं।

टिफनी ट्रम्प और माइकल बुलोस की इस यात्रा से न केवल जैसलमेर बल्कि पूरे राजस्थान के पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान और बूस्ट मिलेगा। विदेशी सैलानियों के बीच यह संदेश जाएगा कि मरुधरा की संस्कृति और यहाँ की सुरक्षा व्यवस्था इतनी बेहतरीन है कि दुनिया के सबसे सुरक्षित समझे जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति के परिवार के सदस्य भी यहाँ बेहद सहजता और आनंद के साथ घूमने आते हैं।

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी।

(लेखक - सुनील कुमार महला)

1 जून विश्व दुग्ध दिवस पर विशेष आलेख)

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है।

पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है।भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है।

संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयु:प्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूज़ीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं।

भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी।

यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राज़ील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूज़ीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। पशुओं में रोगों का प्रकोप, गुणवत्तापूर्ण चारे की कमी, जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान, दूध में मिलावट, कोल्ड-चेन अवसंरचना का अभाव तथा छोटे दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य न मिलना प्रमुख समस्याएँ हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए पशुओं के नियमित टीकाकरण, उन्नत नस्लों के विकास, संतुलित पशु आहार की उपलब्धता, आधुनिक डेयरी तकनीकों के उपयोग, दुग्ध संग्रहण एवं शीत भंडारण सुविधाओं के विस्तार तथा दूध की गुणवत्ता की प्रभावी निगरानी आवश्यक है। साथ ही किसानों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर डेयरी क्षेत्र को अधिक सशक्त, लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है। ऐसे प्रयास न केवल दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करेंगे, बल्कि किसानों की आय, पोषण सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेंगे।

निष्कर्षत:, यहां पर यह बात कही जा सकती है कि विश्व दुग्ध दिवस केवल दूध के महत्व का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह किसानों, पशुपालकों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े करोड़ों लोगों के योगदान को सम्मान देने का अवसर भी है। दूध पोषण, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा का एक मजबूत आधार है। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पशुपालन और गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। सतत और समावेशी डेयरी विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा। स्वस्थ पशु, समृद्ध किसान और गुणवत्तापूर्ण दूध ही एक स्वस्थ, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव हैं।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

संपादकीय

जवाबदेही का अभाव

सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने पर जोर दिया, जिससे 22 लाख से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। नीट प्रकरण की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह बिल्कुल सही कहा कि इस परीक्षा के पेपर लीक होने पर जवाबदेही तय हो। यदि ऐसा नहीं होता तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही होगा, क्योंकि नीट के पेपर लीक होने के कारण 22 लाख से अधिक छात्र दोबारा परीक्षा देने के लिए विवश हैं। पेपर लीक के कारण छात्रों को परेशानी उठाने के साथ ही उनके भरोसे को भी ठेस पहुंची है। इसके अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय भी सवालों के घेरे में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को संघ लोक सेवा आयोग अर्थात यूपीएससी से सीख लेने को भी कहा। कायदे से तो इस नसीहत की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। एनटीए को तो यह सीख स्वत: लेनी चाहिए थी और शिक्षा मंत्रालय को देखना चाहिए था कि ऐसा हो। आखिर इस एजेंसी का गठन ही इसलिए किया गया था, ताकि वह नीर-क्षीर ढंग से परीक्षाएं आयोजित करा सके। यह शर्मनाक है कि इस मामले में एनटीए का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा। यह एक तथ्य है कि पहले भी नीट के आयोजन में गड़बड़ी हो चुकी है और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। यह निराशाजनक है कि एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए गठित राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को प्राथमिकता के आधार पर लागू नहीं किया गया। शायद इसी का दुष्परिणाम रहा कि नीट के पेपर लीक हो गए। आखिर जब राधाकृष्णन समिति ने अक्टूबर 2024 में ही अपनी सिफारिशें सौंप दी थीं तो उन सभी पर द्रुत गति से अमल क्यों नहीं किया गया? इस समिति ने यह पाया था कि एनटीए अपने तमाम काम आउटसोर्स करती है और उसके अधिकांश कर्मचारी संविदा पर हैं। उसने कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं कराने को भी कहा था। समझना कठिन है कि इस स्थिति को बदला क्यों नहीं जा सका? आखिर ऐसी किसी संस्था के गठन का क्या औचित्य, जो अपना काम अपने स्तर पर करने में सक्षम न हो? एनटीए को नीट जैसी परीक्षाएं कराने के लिए अपना तंत्र उसी तरह विकसित करना चाहिए था, जैसे रेल मंत्रालय के आरआईटीईएस यानी राइट्स ने, शहरी विकास मंत्रालय के एनबीसीसी ने, रिजर्व बैंक एवं भारतीय बैंक संघ के तहत एनपीसीआइ ने या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने किया है। आज के युग में कोई भी संस्था हो, उसका हर तरीके से दक्ष होना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। सभी संस्थाओं और खासकर एनटीए को तो आधुनिक तकनीक से भी लैस होना चाहिए था और इसमें उसकी मदद के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को आगे आना चाहिए था। एनटीए की नाकामी जवाबदेही के अभाव के साथ ही सरकारी तंत्र के कामचलाऊ रवैए को ही दर्शाती है।

भारतीय राजनीति,अर्थशास्त्र और संस्कृति के महान शिल्पकार थे आचार्य चाणक्य

(लेखक - कपिल भार्गव (बौहरे))

आचार्य चाणक्य जन्मोत्सव पर विशेष)

विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस एवं आचार्य चाणक्य जी का जन्मोत्सव भारतीय संस्कृति, ज्ञान, राष्ट्रनीति और सनातन परंपरा के गौरव को स्मरण करने का पावन अवसर है। यह दिवस केवल एक समाज विशेष का उत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान, शिक्षा, संस्कार, त्याग और राष्ट्रसेवा की महान परंपरा का सम्मान है। भारतीय सभ्यता में ब्राह्मण समाज को सदैव ज्ञान और धर्म का मार्गदर्शक माना गया है। वहीं आचार्य चाणक्य ने अपने अद्वितीय ज्ञान, दूरदर्शिता और नीति कौशल से भारत के इतिहास को नई दिशा प्रदान की।

भारत की प्राचीन संस्कृति में ब्राह्मण समाज का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों और शास्त्रों की रक्षा एवं प्रचार-प्रसार में ब्राह्मणों की प्रमुख भूमिका रही है। गुरु-शिष्य परंपरा को जीवित रखने, समाज को नैतिक शिक्षा देने तथा धर्म और संस्कृति की रक्षा करने में इस समाज ने सदैव अग्रणी योगदान दिया है। प्राचीन काल में गुरुकुलों के माध्यम से शिक्षा का प्रकाश जन-जन तक पहुँचाने का कार्य ब्राह्मण आचार्यों द्वारा किया जाता था। उन्होंने केवल धार्मिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, खगोलशास्त्र, राजनीति और दर्शन जैसे विषयों में भी समाज का मार्गदर्शन किया।

विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि ज्ञान और संस्कार किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। जिस समाज में शिक्षा, नैतिकता और संस्कृति का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ता है। आज के आधुनिक युग में भी ब्राह्मण समाज शिक्षा, प्रशासन, साहित्य, विज्ञान, कला और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह दिवस हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और नई पीढ़ी को भारतीय मूल्यों से परिचित कराने का अवसर प्रदान करता है।

आचार्य चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, भारत के महान राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, शिक्षक और कूटनीतिज्ञ थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ जब भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित था और विदेशी आक्रमणों का खतरा बढ़ रहा था। उस समय आचार्य चाणक्य ने अपने अद्भुत ज्ञान और रणनीति के बल पर भारत को एकजुट करने का संकल्प लिया। उन्होंने चंद्रगुप्त मौर्य को शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर मौर्य साम्राज्य की स्थापना करवाई, जो आगे चलकर भारत का सबसे शक्तिशाली साम्राज्य बना।

आचार्य चाणक्य केवल एक महान शिक्षक ही नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले युगदृष्टा थे। उनकी प्रसिद्ध कृति अर्थशास्त्र आज भी राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रशासन और कूटनीति का महत्वपूर्ण ग्रंथ माना जाता है। इसमें उन्होंने राज्य संचालन, न्याय व्यवस्था, कर नीति, सुरक्षा, विदेश नीति और जनकल्याण के अनेक सिद्धांत बताए हैं। उनके विचार आज भी प्रशासनिक और प्रबंधन संस्थानों में अध्ययन का विषय बने हुए हैं।

चाणक्य नीति में जीवन को सफल बनाने वाले अनेक सूत्र मिलते हैं। उन्होंने सत्य, अनुशासन, आत्मविश्वास, शिक्षा और परिश्रम को जीवन की सफलता का आधार बताया। उनका मानना था कि कोई भी व्यक्ति अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से महान बनता है। उन्होंने युवाओं को सदैव जागरूक, शिक्षित और राष्ट्रभक्त बनने की प्रेरणा दी। उनकी नीतियाँ हमें सिखाती हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और बुद्धिमता से कार्य करने वाला व्यक्ति अवश्य सफल होता है।

आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब आचार्य चाणक्य के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। भ्रष्टाचार, नैतिक पतन, सामाजिक विभाजन और स्वार्थ की बढ़ती प्रवृत्तियों के बीच चाणक्य की शिक्षाएँ हमें राष्ट्रहित, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता का संदेश देती हैं। यदि युवा पीढ़ी उनके आदर्शों को अपनाए, तो देश का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन सकता है।

विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस के अवसर पर हमें उन महान ऋषियों, आचार्यों और विद्वानों को स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अपने ज्ञान और तपस्या से भारतीय संस्कृति को विश्वभर में प्रतिष्ठित किया। महर्षि वेदव्यास, महर्षि वाल्मीकि, आदिशंकराचार्य तथा आचार्य चाणक्य जैसे महापुरुषों ने भारत को ज्ञान और अध्यात्म की भूमि बनाया। उनका जीवन त्याग, तपस्या और राष्ट्रसेवा का अद्भुत उदाहरण है।

यह दिवस हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह संकल्प लेने की प्रेरणा भी देता है कि हम शिक्षा, संस्कार, सत्य, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलेंगे। हमें समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना चाहिए। नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और महान व्यक्तित्वों के आदर्शों से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

विश्व ब्राह्मण गौरव दिवस एवं आचार्य चाणक्य जी का जन्मोत्सव हमें यह संदेश देता है कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है और राष्ट्र निर्माण में शिक्षित एवं संस्कारी समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। हमें आचार्य चाणक्य के आदर्शों को अपनाकर एक सशक्त, समृद्ध और नैतिक भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा अध्यक्ष है।)

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

विचार मंथन

पश्चिम बंगाल में सांसद अभिषेक और कल्याण पर हमला? शत्रुता की राजनीति

(लेखक - सनत जैन)

पश्चिम बंगाल में हाल के दिनों में जिस तरह से भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा भीड़ के रूप में टीएमसी के कार्यकर्ताओं, उनके कार्यालयों और टीएमसी के बड़े-बड़े नेताओं पर हमले किए जा रहे हैं। यहाँ भाजपा की सरकार बनने के बाद तेजी के साथ हमले बढ़ गए हैं। कार्यालय को गिराया जा रहा है। ऐसा लग रहा है, सत्ता परिवर्तन के साथ ही पश्चिम बंगाल में एक नया गैंग-वॉर शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल में अर्ध सैनिक बल अभी भी तैनात है। जिस तरह से सांसद अभिषेक बनर्जी और उसके बाद सांसद कल्याण बनर्जी को भीड़ द्वारा सड़क पर पीटा गया है, उनका वीडियो बनाया गया है और जिस तरह से राजनीतिक बदले की कार्रवाई की जा रही है। उसके कारण पश्चिम बंगाल के साथ-साथ देश के सभी राज्यों में इसकी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। निर्वाचित सांसदों के साथ हुई हिंसक घटनाओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं। जब असहमति हिंसा और भीड़तंत्र का रूप लेने लगे, तो यह केवल किसी एक दल या नेता की समस्या नहीं रह जाती है बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढाँचे के लिए चिंता का विषय बन जाता है। पिछले एक दशक में जिस तरह से विपक्षी दलों के ऊपर सत्ता पक्ष के द्वारा ईडीसीबीआई

अब एसआईआर के माध्यम से जो राजनीतिक लड़ाई शुरू हुई थी अब वह हिंसक रूप लेती चली जा रही है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद जिस तरह की स्थितियां बनी हैं, यह काफी चिंताजनक है।

देश इस समय अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था को लेकर असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, केंद्र एवं राज्य सरकारों की असंवेदनशीलता न्याय पालिका का सरकार के पक्ष में होना। जन आंदोलनो को सरकार एवं पुलिस द्वारा सख्ती से दबाना। मुकदमों में लंबे समय तक जेल में रखने के कारण वैसे ही जन सामान्य में असंतोष है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह की घटनाएं अब देखने को आ रही हैं, उसने जनमानस और युवाओं में बढ़ती निराशा को संवेदनशील बना दिया है। जब आम नागरिक को यह महसूस होने लगता है, उसकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है, तब उसका असंतोष विभिन्न रूपों में सामने आने लगता है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों के बीच यदि हिंसा के माध्यम से आतंक फैलाने या सत्ता को मजबूत करने का कार्य किया जाता है। ऐसी स्थिति में भीड़ को एक नया रास्ता खुद राजनीतिक दल और राजनेता दिखा रहे हैं। वर्तमान स्थिति में भीड़ तंत्र को संभाल पाना किसी भी व्यवस्था के लिए संभव नहीं होता है। लोकतंत्र में संवाद, चुनाव और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर जब आम आदमी का विश्वास खत्म हो जाए, जब भीड़ न्याय करने लगे, तो स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हाल ही के कुछ वर्षों में हुई इस तरह की घटनाओं से राजनीतिक दलों खासकर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को सबक लेने की जरूरत है। इतिहास बताता है, जन-असंतोष को लंबे समय तक प्रशासनिक शक्ति के बल पर दबाकर नहीं रखा जा सकता। राजनीतिक अस्थिरता, महंगाई, भ्रष्टाचार इत्यादि ने जनता के असंतोष को बड़े बदलावों को जन्म दिया है। प्रत्येक देश की परिस्थितियाँ अलग होती हैं। पश्चिम बंगाल में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, जिस समय पर हो रही हैं, इन घटनाओं को देखते हुए यह कहा जा सकता है, इन घटनाओं से सीख लेने की जरूरत है। जनता की भावनाओं को समय रहते समझना और उनका समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद जिस तरह से टीएमसी के कार्यकर्ताओं, सांसदों, जनप्रतिनिधियों पर हमले हो रहे हैं। चुनाव के समय अर्ध सैनिक बलों के लाखों जवान तैनात किए गए हैं। उनकी तैनाती में यदि इस तरह के हमले हो रहे हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है। यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। यह उस राजनीतिक संस्कृति का भी प्रश्न है, जो गेंगवार की तरह काम कर रही है। विरोधियों को लोकतांत्रिक प्रतिद्वंद्वी के बजाय शत्रु के रूप में देखा जाने लगा है। ऐसी सोच अंतत: संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करती है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और सभी राजनीतिक दलों को समझना होगा। लोकतंत्र की शक्ति संवाद में है। सभी संवैधानिक संस्थाओं कानून और नियम में यदि आम जनता को विश्वास होगा, तभी कानून व्यवस्था और न्यायपालिका पर लोगों को भरोसा होगा। जनता के बीच बढ़ती नाराजगी, युवाओं की बेचैनी और सामाजिक असंतोष को केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से दूर नहीं किया जा सकता है। इसके लिए ठोस नीतिगत निर्णय, पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

आवश्यकता इस बात की है, सभी राजनीतिक दल विशेष रूप से जो सत्ता में काबिज है वह राजनीतिक दल हिंसा और बदले की राजनीति से दूरी बनाएं। लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता का विश्वास मजबूत करने और निष्पक्षता को लेकर जनता का विश्वास जीतना होगा। समाज में यह धारणा बनने लगे कि समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। जब न्यायपालिका ही युवा बेरोजगारों को कॉकरोच कहने लगे। शासन और प्रशासन में बैठे हुए लोगों की कोई जिम्मेदारी तय ना हो।

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

पिछली गिरावट के बाद निवेशक सतर्क, जून के पहले हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर रहेगी पैनी नजर

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका-ईरान संबंधों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें भारतीय महंगाई दर को सीधे प्रभावित करती हैं। आने वाला सप्ताह भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली।

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। नए-नए मॉडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

1 जून से लागू होंगी नई दरें, कच्चे तेल की नरमी के बीच सरकार का फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों

को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

त्रिवेणी इंजीनियरिंग का मुनाफा घटकर 167 करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 167.45 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से गन्ने की लागत बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी का 2024-25 की समान तिमाही में मुनाफा 183 करोड़ रुपये था। एकीकृत चीनी और एथनॉल उत्पादक कंपनी त्रिवेणी इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 1,842.15 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,934.53 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 268.71 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 243.19 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय बढ़कर 7,697.03 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,865.58 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16.64 लाख करोड़ के आंतरिक लेनदेन की मंजूरी मांगेगी

मुख्यतः जियो और रिटेल इकाइयों के बीच होंगे सौदे, पांच वित्त वर्षों तक चलेगा यह सिलसिला

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले पांच वित्तीय वर्षों के लिए 16.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के विशाल आंतरिक लेनदेन को अपनी डिजिटल और खुदरा सहायक कंपनियों, जियो प्लेटफॉर्म्स और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ आगे बढ़ाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगी। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में रखा जाएगा। कंपनी द्वारा दाखिल नोटिस के अनुसार इस प्रस्तावित लेनदेन का सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस रिटेल द्वारा रिलायंस जियो को दिया जाएगा, जो दूरसंचार सेवाओं की बिक्री के बदले में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वित्तीय वर्ष 2027-28 में 2.20 लाख करोड़ रुपये और उसके बाद 2028-29 से 2031-32 तक प्रत्येक वर्ष 2.80 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन का अनुमान है। इसके अतिरिक्त रिलायंस जियो द्वारा दूरसंचार नेटवर्क विस्तार के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) आधार पर आरआईएल को 76,800 करोड़ रुपये का भुगतान भी प्रस्तावित है। आरआईएल ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नया लेनदेन नहीं है, बल्कि मौजूदा मंजूर व्यवस्थाओं की निरंतरता है जिसके लिए शेयरधारकों की सहमति मांगी जा रही है।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

तिलहन उत्पादन पर संकट, धान की ओर बढ़ते किसानों पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बढ़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमशः 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल

रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

गौतम अदाणी बोले- समूह ने अमेरिकी मामलों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है। समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय किया है। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़कर कुल 19 गीगावाट से अधिक करना और अदाणी पोर्ट्स द्वारा 50

करोड़ टन से अधिक कार्गो संभालना शामिल है। डिजिटल अवसंरचना में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। अदाणी ने दोहराया कि समूह की पहचान चुनौतियों से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता से होती है।

रिलायंस एआई के दम पर बनेगा देश का अग्रणी मनोरंजन मंच

राजस्व में बंपर उछाल, कंटेंट निर्माण और अनुभव में एआई की मुख्य भूमिका

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य एआई के माध्यम से देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बनना है। अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में आरआईएल ने कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और एक अग्रणी मीडिया मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे। एआई का उपयोग केवल दक्षता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि सामग्री बनाने, उपभोक्ता अनुभव और दर्शक जुड़ाव को मौलिक रूप से नया आकार देने के लिए किया जाएगा। कंपनी के मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार, जिसमें जियोसावन, जियो स्टूडियोज और नेटवर्क18 शामिल हैं, ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्शक संख्या और जुड़ाव के मामले में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। इस अवधि में परिचालन आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 34,917 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 17,762 करोड़ रुपये थी। यह वित्तीय वृद्धि एआई-संचालित नवाचारों के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है।

वैश्विक तनाव से श्रीलंका में ईंधन फिर महंगा

तीन महीनों में पांचवीं बार बढ़े दाम, पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें लागू

कोलंबो।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं का सीधा असर श्रीलंका पर पड़ा है। देश में पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है, जो पिछले तीन महीनों में पांचवीं वृद्धि है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने नई दरों की घोषणा की, जो शे निवार आधी रात से प्रभावी हो गई हैं।

नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 24 रुपये महंगा होकर 434 रुपये प्रति लीटर और डीजल 15 रुपये बढ़कर 407 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मिट्टी के तेल की कीमत में भी 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है, जिससे यह 285 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने जनता से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। उनका कहना है कि

पश्चिम एशिया के तनाव के कारण देश पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में 293 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पेट्रोल अब 434 रुपये पर पहुंच गया है। इस बीच श्रीलंकाई रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

इरेडा का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर 492.63 करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 1.77 प्रतिशत घटकर 492.63 करोड़ रुपये रहा।वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) का मुनाफा 501.55 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,181.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,915 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,562.14 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,285.91 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में इरेडा का मुनाफा बढ़कर 1,874 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 1,698 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 8,338.89 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 में 6,755.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 0.75 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इस प्रकार अंतरिम लाभांश के रूप में दिए गए 0.60 रुपये प्रति शेयर सहित कुल लाभांश 1.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की ऋण स्वीकृतियां नौ प्रतिशत बढ़कर 51,883 करोड़ रुपये हो गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 47,453 करोड़ रुपये थीं। वहीं ऋण वितरण 16 प्रतिशत बढ़कर 34,946 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले 30,169 करोड़ रुपये था।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3:40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3:40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3:30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड मॉडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक

हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3:15 से 3:20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3:20 से 3:25 बजे तक मार्केट और लिमिट ऑर्डर डालने की सुविधा और 3:25 से 3:30 बजे के बीच केवल लिमिट ऑर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी मॉक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

एडब्ल्यूएल अब मधुर ब्रांड नाम से बेचेगी चीनी

फॉर्च्यून का चीनी बाजार में प्रवेश; श्री रेणुका शुगर्स के साथ रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली।

खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (एडब्ल्यूएल) ने अब चीनी बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। कंपनी ने इसके लिए देश की बड़ी चीनी कंपनियों में से एक श्री रेणुका शुगर्स के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस करार के तहत एडब्ल्यूएल अब श्री रेणुका शुगर्स के लोकप्रिय और स्थापित ब्रांड 'मधुर' के नाम से चीनी का विपणन करेगी। शेयर बाजारों को को दी गई नियामकीय सूचना के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री ने पैकेज्ड फूड कारोबार में अपनी बाजार पहुंच को मजबूत करने और वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाली एडब्ल्यूएल इस समझौते के माध्यम से अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

इस व्यवस्था के तहत श्री रेणुका

शुगर्स अपने प्रमुख चीनी ब्रांड मधुर का लाइसेंस एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस को देगी, जिससे फॉर्च्यून की मजबूत वितरण प्रणाली का लाभ मधुर ब्रांड को भी मिल सकेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

डीजल वाली ट्रेनें एक घंटे में 200 लीटर की है खपत, ट्रेनों में होते हैं विशाल फ्यूल टैंक

हर ट्रेन की ईंधन खपत अलग-अलग, वजन, लंबाई, गति और कोचों पर होती है निर्भर

नई दिल्ली।

भारतीय रेल दुनिया के सबसे विशाल रेल नेटवर्कों में से एक है। हर दिन लाखों यात्री ट्रेन से सफर करते हैं, क्योंकि यह सुविधा और किफायत के मामले में बेजोड़ है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये विशालकाय ट्रेनें आखिर कितना ईंधन खर्च करती हैं? सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रेनों की डीजल खपत को लेकर बहस छिड़ जाती है और जब इसके आंकड़े सामने आते हैं, तो लोग दंग रह जाते हैं।

आमतौर पर हम कारों और बाइकों के माइलेज की बात करते हैं, लेकिन ट्रेनों का माइलेज भी कम दिलचस्प नहीं होता। हालांकि, हर ट्रेन की ईंधन खपत अलग-अलग होती है, जो उसके वजन, लंबाई, गति और कोचों की संख्या पर निर्भर करती है। यही कारण है कि एक्सप्रेस ट्रेन, सुपरफास्ट ट्रेन, मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन का माइलेज अलग होता है। जानकारी के मुताबिक, 24 से 25 डिब्बों वाली एक बड़ी एक्सप्रेस ट्रेन को एक किलोमीटर तक चलाने में करीब 6 लीटर डीजल की जरुरत पड़ती है।

वहीं, अगर ट्रेन में करीब 12 कोच हों, तो वह प्रति किलोमीटर 4.5 लीटर डीजल खर्च करती है। पैसेंजर ट्रेनों की बात करें, तो वे अपेक्षाकृत कम डीजल खपत करती हैं और 1 लीटर डीजल में 5 से 6 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती हैं। इन आंकड़ों से भी ज्यादा चौंकाने वाला तथ्य ट्रेन की प्रति घंटे डीजल खपत का है। बताया जाता है कि यदि 24 डिब्बों वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन करीब 48 से 51 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हो, तो वह एक घंटे में करीब 200 लीटर डीजल पी जाती है। यही वजह है कि लंबी दूरी की ट्रेनों में विशाल आकार के फ्यूल टैंक लगाए जाते हैं, ताकि बार-बार ईंधन भरने की झंझट न रहे।

कई लोगों के मन में यह सवाल भी उठता है कि आखिर एक ट्रेन के इंजन में कितनी डीजल स्टोर करने की क्षमता होती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डीजल इंजन में करीब 5,000 से 6,000 लीटर तक ईंधन भरा जा सकता है। यह क्षमता इसलिए जरुरी है, क्योंकि ट्रेनों को हजारों किलोमीटर तक

लगातार चलना होता है और हर छोटे-बड़े स्टेशन पर डीजल भरना संभव नहीं होता। हालांकि, अब भारत में इलेक्ट्रिक ट्रेनों का विस्तार हो रहा है और कई मार्गों पर बिजली से चलने वाले इंजन इस्तेमाल हो रहे हैं, लेकिन आज भी देश के अनेक हिस्सों में डीजल इंजन वाली ट्रेनें चलती हैं। यही कारण है कि ट्रेनों की डीजल खपत को लेकर लोगों की उत्सुकता बनी रहती है।

पिता ने छह वर्षीय बेटी को पीट-पीटकर मारा, ग्रामीणों ने आरोपी को पेड़ से बांधा

रांची।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के खेड़ियाटांगर गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी छह वर्षीय बेटी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, छह वर्षीय सोनिया अपने घर में सो रही थी, जब उसके पिता लालसिंह ने अचानक उस पर डंडे से हमला किया। इस हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई। परिजन और लोगों की मदद से बच्ची को तत्काल सदर अस्पताल, चाईबासा ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित किया। लोगों ने बताया कि घटना के बाद आरोपी लालसिंह का व्यवहार बेहद उग्र हो गया था। उसने अपनी पत्नी और आसपास मौजूद लोगों पर भी हमला करने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ती देख ग्रामीणों ने हस्तक्षेप किया और किसी तरह आरोपी को काबू में कर एक पेड़ से बांध दिया। मृत बच्ची की मां और मुखिया के अनुसार, आरोपी पिछले कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित था और अनियमित व्यवहार कर रहा था। वह नियमित रूप से दवा भी नहीं ले रहा था, जिससे उसका व्यवहार सामान्य नहीं लग रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। आरोपी लालसिंह को गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह का खुलासा अभी तक नहीं हो सका है और पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

हमले के विरोध में टीएमसी का प्रदर्शन, नारे लगाए और जीटी रोड किया जाम

नियामतपुर में कार्यकर्ताओं ने निकाला विरोध मार्च

कोलकाता।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। घटना के विरोध में राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में पश्चिम बर्धमान जिले के कुल्टी ब्लॉक अंतर्गत नियामतपुर क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। नियामतपुर के न्यू रोड इलाके में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में टीएमसी नेता, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि राजनीतिक विरोधियों द्वारा लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। टीएमसी नेताओं का आरोप है कि इस प्रकार की घटनाओं के जरिए पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कार्यकर्ता इससे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए आसनसोल-बराकर जीटी रोड पर यातायात बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए सड़क पर धरना दिया और विरोध जताया। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा टायर जलाने का प्रयास भी किया

गया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। इसे लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। हालांकि बाद में स्थिति नियंत्रण में रही और किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

विरोध मार्च निकाला

इसके बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने नियामतपुर न्यू रोड से नियामतपुर मोड़ तक विरोध मार्च निकाला। मार्च के दौरान अभिषेक बनर्जी के समर्थन में नारे लगाए गए और पार्टी नेतृत्व के प्रति एकजुटता प्रदर्शित की गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी।

मैट्रिमोनियल एप पर शादी का झांसा, महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नागपुर।

महाराष्ट्र के नागपुर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां मैट्रिमोनियल एप पर जीवनसाथी की तलाश कर रही महिला को कथित तौर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का शिकार बनाया गया और महिला से करीब 15 लाख रुपये की ठगी हुई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखकर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 31 वर्षीय पीड़िता का संपर्क मैट्रिमोनिय एप के जरिए राघवेंद्र किशोर अवस्थी नामक व्यक्ति से हुआ था। आरोपी राघवेंद्र ने खुद को तलाकशुदा बताकर महिला को विश्वास दिलाया कि उसकी पहली पत्नी का निधन हो गया है। शादी के वादे के साथ दोनों के बीच बातचीत आगे बढ़ी और विश्वास का रिश्ता कायम हुआ।

इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर महिला से आर्थिक मदद मांगनी शुरू कर दी। आरोपी कभी नई जिम खोलने, कभी कारोबार शुरू करने जैसे बहानों से महिला से अलग-अलग किस्तों में कुल 14 लाख 80 हजार रुपये ऐंठ लिए। महिला ने रिश्ते को मजबूत मनाकर मदद की।

समय बीतने के साथ, जब महिला को आरोपी के दावों पर संदेह होने लगा, तब पता चला कि राघवेंद्र ने अपनी पहली पत्नी के बारे में झूठी जानकारी दी थी और वह जीवित है। जब महिला ने शादी और अपने पैसों के बारे में सवाल किया, तब आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू किया। शिकायत में मारपीट के आरोप भी शामिल हैं।

रेल यात्रियों को झटका: रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक बंद रहेगी पेंट्रीकार सेवा, भोजन-पानी नहीं मिलेगा

पटना।

ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू किया है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने सभी रेलवे जोनों को निर्देश जारी करते हुए रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक पेंट्रीकार सेवा बंद रखने का आदेश दिया है। इस दौरान यात्रियों को पेंट्रीकार से भोजन, नाश्ता, चाय, कॉफी या गर्म पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। आईआरसीटीसी के अनुसार यह फैसला पेंट्रीकार की रसोई, उपकरणों और अन्य सुविधाओं की नियमित सफाई, रखरखाव तथा तकनीकी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। निर्धारित समयावधि में पेंट्रीकार पूरी तरह बंद रहेगा और किसी प्रकार की खानपान सेवा नहीं दी जाएगी। इस नए नियम का सबसे ज्यादा असर लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों पर पड़ सकता है। खासकर वे यात्री, जिनकी यात्रा रात के समय होती है, उन्हें भोजन और पेय पदार्थों के लिए रेलवे स्टेशनों पर मौजूद अधिकृत स्टॉल या विक्रेताओं पर निर्भर रहना पड़ सकता है। उधर इस फैसले को लेकर यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि रात में पेंट्रीकार सेवा बंद होने से ट्रेनों में अवैध वेंडरों की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। कई बार ऐसे लोग अधिकृत विक्रेताओं की आड़ में ट्रेनों में चढ़कर खाद्य सामग्री और पानी के लिए यात्रियों से मनमाने दाम वसूलते हैं। यदि रेलवे प्रशासन ने निगरानी नहीं बढ़ाई तो यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। जबकि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निगरानी व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सफर के दौरान यात्रियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

गौतम अदाणी : आधुनिक युग में इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस एक-दूसरे के पूरक

अहमदाबाद।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने वार्षिक संदेश में महत्वपूर्ण बदलाव पर बात कही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटेलिजेंस अब एक-दूसरे के पूरक बने हैं, और ये दोनों साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं। पारंपरिक रूप से, सड़कों, बंदरगाहों और बिजली संयंत्रों जैसे भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर पहले विकसित होते थे, जिसके बाद प्रौद्योगिकी का आगमन होता था। हालांकि, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सोचने से पहले ऊर्जा प्रवाह और डेटा संचलन से पहले मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर का होना अनिवार्य हो गया है।

दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी के अनुसार, अदाणी समूह का विशाल पोर्टफोलियो जिसमें बंदरगाह, हवाई अड्डे, ऊर्जा, ट्रांसमिशन, लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर और मैन्युफैक्चरिंग शामिल है, दरअसल अलग-अलग व्यवसाय नहीं, बल्कि एक एकीकृत मंच है। इस भौतिक और डिजिटल दुनिया को जोड़ने के लिए तैयार किया गया है। कारोबारी अदाणी का मानना है कि प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का अगला युग उन संगठनों का होगा जो बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और क्रियान्वयन को एक एकीकृत प्रणाली में संयोजित करने में सक्षम हैं।

एआई के वैश्विक चर्चा का केंद्र बनने से काफी पहले ही, अदाणी समूह ने एआई को सहारा देने के लिए आवश्यक भौतिक आधार का निर्माण शुरू कर दिया था। वित्त वर्ष 2026 के आंकड़े इस रणनीति को बखूबी दर्शाते हैं। समूह ने इस वर्ष 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का विशाल निवेश किया, जो कॉर्पोरेट जगत में सबसे बड़े पूंजी निवेश कार्यक्रमों में से एक है। इस दौरान नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 5.1 गीगावाट की वृद्धि हुई, इससे कुल क्षमता 19.3 गीगावाट से अधिक

हो गई। ट्रांसमिशन ऑर्डर बुक 71,779 करोड़ तक पहुंच गई और अदाणी पोर्ट्स ने 5 करोड़ टन से अधिक कार्गो का संचालन किया। इसके अलावा, भारत की सबसे बड़ी विमानन अवसंरचना परियोजनाओं में से एक, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विकास और डेटा सेंटर व्यवसाय का 2030 तक 2 गीगावाट प्लेटफॉर्म का लक्ष्य, इस एकीकृत दृष्टिकोण के प्रमुख उदाहरण हैं। गौतम अदाणी ने बताया कि ये सभी उपलब्धियां भारत के विकास के अगले चरण की नींव रखने के सुनियोजित प्रयास का हिस्सा हैं।

अस्पताल पर भड़कीं ममता कहा- भगवान माफ नहीं करेगा, हम देख लेंगे

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक हलकों में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अभिषेक बनर्जी को इलाज के लिए कोलकाता के बेले व्यू अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें डिस्चार्ज किए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री की अस्पताल प्रबंधन के साथ तीखी बहस की खबरें सामने आ रही हैं। इस घटनाक्रम से जुड़ा एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा दी हैं।

इस वायरल ऑडियो में बनर्जी कथित तौर पर अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी को बांग्ला और अंग्रेजी में फटकार लगाती हुई सुनी जा रही हैं। उन्होंने कहा, मिस्टर टंडन, माफ कीजिए, लेकिन आपने गलत काम किया है। याद रखिए कि हमने आपकी कितनी मदद की है। भगवान आपको माफ नहीं करेगा। आप लोगों को गुमराह कर रहे हैं। आपको शर्म आनी चाहिए। हर कोई आपके इस अहंकार को याद रखेगा। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन और राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने अस्पताल की प्रक्रिया पर उंगली उठाते हुए पूछा कि अगर अभिषेक बनर्जी की हालत गंभीर नहीं थी, तो उन्हें आईटीयू (इंटेंसिव थेरेपी यूनिट) में क्यों रखा गया था? और अगर उनकी स्थिति नाजुक थी, तो अब किसके दबाव में उन्हें इतनी जल्दी रिलीज कर दिया गया? मुख्यमंत्री ने इसे सुरक्षा में एक बड़ी चूक करार दिया।

ममता बनर्जी ने दावा किया कि अभिषेक बनर्जी के शरीर में चोट के कारण खून के थक्के जमे हुए हैं। अगर उन्होंने हादसे या हमले के वक्त हेलमेट नहीं पहना होता, तो उनकी मौके पर ही मौत हो जाती। उन्होंने घोषणा की कि अब अभिषेक का इलाज घर पर ही अस्पताल की तरह किया जाएगा, जहां ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य सभी जरूरी चिकित्सा उपकरण उपलब्ध रहेंगे। मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि अभिषेक को कुछ भी होता है, तो इसके लिए सीधे तौर पर अस्पताल प्रबंधन ही जिम्मेदार होगा। उन्होंने इस पूरी स्थिति को लोकतंत्र की हत्या बताया और स्थानीय विपक्षी नेताओं के साथ-साथ जांच एजेंसी सीआईडी की कार्यप्रणाली पर भी जमकर निशाना साधा।

लखनऊ में देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका: आईएनएस गोमती सुनाएगी पराक्रम की गाथा

लखनऊ।

उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका का भव्य उद्घाटन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। यह वाटिका भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास और अदम्य साहस का प्रतीक बनेगी, जिसका मुख्य आकर्षण करीब 34 वर्षों तक भारतीय समुद्री सीमाओं की निस्वार्थ सेवा करने वाला सेवानिवृत्त युद्धपोत आईएनएस गोमती है। अब यह विराट युद्धपोत राजधानी के केंद्र में स्थित होकर भावी पीढ़ियों को भारतीय नौसेना के शौर्य, पराक्रम और उन्नत सैन्य तकनीक से रूबरू कराएगा।अपने तीन दशक से भी अधिक के सेवाकाल में, आईएनएस गोमती ने हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री निगरानी, सुरक्षा गश्त, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यासों और कई महत्वपूर्ण सामरिक अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाई। इस युद्धपोत ने देश की संप्रभुता और समुद्री हितों की रक्षा में अद्वितीय योगदान दिया। अब सम्मानित युद्धपोत को नौसेना शौर्य वाटिका में स्थायी रूप से प्रदर्शित किया गया है, ताकि आम नागरिक और विशेष रूप से युवा नौसेना के इतिहास, बलिदान और सैन्य क्षमताओं को करीब से अनुभव कर सकें। आईएनएस गोमती को 16 अप्रैल 1988 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था और 28 मई 2022 को सम्मानपूर्वक सेवामुक्त हुआ। इसका नाम लखनऊ की जीवनदायिनी गोमती नदी के नाम पर रखा गया था, और इसका प्रतीक चिन्ह शहर की ऐतिहासिक छतर मंजिल से प्रेरित है, जो लखनऊ और नौसेना के बीच एक गहरा जुड़ाव को दिखाता है। यह भारतीय नौसेना के शुरुआती स्वदेशी गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट्स में से एक थी, जो अत्याधुनिक रडार, सेंसर, मिसाइल और लोंच प्रणालियों से लैस थी। समुद्र में लंबी दूरी तक निगरानी करने, दुश्मन के जहाजों पर हमला करने और हवाई खतरों से रक्षा करने की इसकी क्षमता इसे तत्कालीन समय में एक विशिष्ट युद्धपोत बनाती थी।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

मुंबई जाने की तैयारी में था यात्री, वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका

पटना।

राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार आरोपी से

पूछताछ की गई, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कारतूस उसके बैग में कैसे पहुंचे और उन्हें मुंबई ले जाने का उसका क्या उद्देश्य था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा बरामद कारतूस और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती के बैग से मिला कारतूस का खोखा

इसी दिन एयरपोर्ट पर एक अन्य घटना भी सामने आई। सुरक्षा जांच के दौरान एक युवती के बैग से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। युवती ने दावा किया कि उसे यह खोखा रास्ते में पड़ा मिला था और जिज्ञासावश उसने उसे उठाकर अपने बैग में रख लिया था। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम
45 दिनों में 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को देने का लक्ष्य

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है।

ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास

ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है। इनमें 18 किलोमीटर हिस्से में फेंसिंग और नौ किलोमीटर क्षेत्र में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित किए जाने की योजना है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। RNI No. RAJHIN/2001/05699 मो. नं. 9928078717